प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय को जल संरक्षण पर दो अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं प्राप्त

पंतनगर। 16 मई, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग को भारत सरकार की स्पार्क (स्कीम फार प्रमोशन ऑफ एकेडिमिक एण्ड रिसर्च कोलेबोरेशन) के अंतर्गत दो अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं।

पहली परियोजना 'कृषि व खाद्य समगतिशीलता हेतु जल संरक्षण : भू-जल प्रबंधन के लिए अंतरविषयी दृष्टिकोण का विकास' विषय पर है, जिसके अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के पांच गांवों को चिन्हित कर वहां के किसानों एवं विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत निवासियों को परियोजना में सम्मिलित कर कार्य किया जाएगा। परियोजना में डा. रवि सक्सेना, सहप्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग तथा डा. एच.जे. शिव प्रसाद, प्राध्यापक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग को सहपरियोजना अधिकारी नामित किया गया है। इस परियोजना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडकपुर, के डा. दामोदर महिलापल्ली, प्रो. राजेन्द्र सिंह, डा. सोमसुभ्रा चक्रवर्ती व डा. पियूष कुमार सिंह, द्वारा प्रमुख रूप से शोध कार्यों का नेतृत्व किया जाएगा। परियोजना में प्रमुख भागीदार संस्थान के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडकपुर है तथा प्रो. जयन्त एन. पटेल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत, गुजरात, एवं प्रो. बसंत महेश्वरी, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया, तथा प्रो. अशन्ता गुणेतिलके, क्वींसलेंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, आस्ट्रेलिया, व प्रो. अनीता थामसन तथा प्रो. के. कार्तिकेय, विस्किनसन यूनिवर्सिटी, अमेरिका, को भी परियोजना में शामिल किया गया है।

दूसरी परियोजना 'जल सुरक्षा हेतु मानव जाति व पर्यावरण परिवर्तन के असर को कम करने के लिए झरनों के पुनर्जीवन की प्रक्रिया व इसका प्रबंधन : कुमाऊं, भारत, के निचले हिमालय के हिस्से में एक केस स्टडी' है। इस परियोजना की मुख्य अन्वेषक, प्रो. ज्योति प्रसाद एवं सह-मुख्य अन्वेषक, डा. एच.जे. शिव प्रसाद हैं। उक्त के अतिरिक्त बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, बनारस, एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, के डा. धर्मा हगारे एवं प्रो. बसंत महेश्वरी तथा मेलबर्न विश्वविद्यालय की डा. मीनाक्षी अरोरा एवं प्रो एण्ड्रयू वेस्टर्न, को भी परियोजना में शामिल किया गया है।

दोनों परियोजनाओं को वित्तीय सहयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, से प्राप्त होगा। अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की दोनों परियोजनाओं के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा पंतनगर में प्रवास कर यहां के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा व शोध कार्य में सहयोग किया जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय के छात्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कर अपना शोध कार्य करेंगे। दोनों पक्षों द्वारा मिलकर इंडो-आस्ट्रेलिया कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा तथा संबंधित विषयों पर शोध-पत्र, पुस्तिकाएं, मैनुअल तथा पेटेंट आदि तैयार किये जाएंगे।

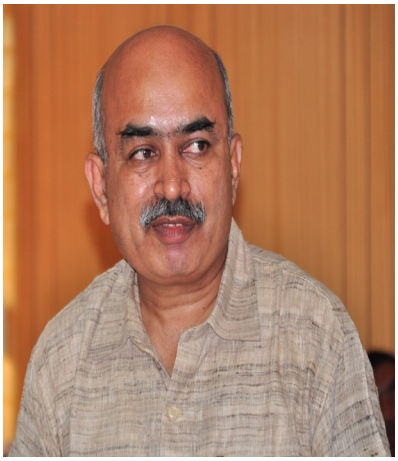

डा. रवि सक्सेना, प्रो. ज्योति प्रसाद, प्रो. एच.जे. शिव प्रसाद।